कौशलम्

द्वितीय संस्करण

संत शिरोमणि रविदास
ग्लोबल स्किल्स पार्क
भोपाल, मध्यप्रदेश

कौशल विकास के साथ सुनिश्चित रोजगार
यही है हमारी पहचान!

Princi chouksey

Ravindra Gupta

Ram kumar

Aman Mewade

Gulshan dawande

Dilip Prajapat

Rakesh Prajapati

Neeraj kushram

Sourabh Vishwakarma

Roshan alawe

Adarsh yadav

GIS के MOU ले रहे आकार

गुणवत्ता और आवश्यकता पर आधारित

एक महत्वपूर्ण MoU पर हस्ताक्षर

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP), भोपाल और राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), भोपाल के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता शिक्षा, कौशल विकास और अनुसंधान के क्षेत्र में आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल है। इस साझेदारी का उद्देश्य शिक्षक एवं छात्रों के मध्य ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, पाठ्यक्रम विकास, नई तकनीकों पर आधारित कार्यक्रम तथा छात्रों के लिए इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देना है।
इसके माध्यम से दोनों संस्थान संसाधनों के साझा उपयोग, कार्यशालाओं, सेमिनारों, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं एवं पीएच.डी. फेलोशिप जैसी कई पहलें भी शुरू करेंगे। समझौते के दौरान NITTTR की ओर से डॉ. पी. के. पुरोहित (डीन - कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशंस) और डॉ. पराग दुबे (प्रोफेसर एवं प्रमुख - प्रबंधन विभाग) उपस्थित रहे। यह महत्वपूर्ण समझौता माननीय डॉ. गौतम टेटवाल, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मध्यप्रदेश शासन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।
यह समझौता SSR-GSP के विज़न – "कौशल आधारित शिक्षा को वैश्विक मानकों तक पहुँचाने" की दिशा में एक सशक्त कदम है।

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी

भारत के सुरक्षा एवं रणनीतिक शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) और कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रतीक संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) के बीच एक ऐतिहासिक MoU पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को सुदृढ़ करने के लिए किया गया है। इस MoU के तहत SSRGSP और RRU मिलकर विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से संबंधित नवीनतम तकनीकी ज्ञान, प्रायोगिक प्रशिक्षण, उद्योग आधारित कार्यशालाएं और शोध के अवसर उपलब्ध कराएंगे। इसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल युग की जटिल चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाना तथा उन्हें रोज़गार योग्य और राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करना है।
समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल ने इस साझेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा: "डिजिटल सुरक्षा आज के समय में अत्यंत आवश्यक बन चुकी है। यह समझौता हमारे युवाओं को साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता प्राप्त करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए एक ठोस मंच प्रदान करेगा।"
यह समझौता न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा और अवसरों का द्वार खोलेगा। यह साझेदारी नीतिगत दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह डिजिटल भारत और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों को सशक्त करती है। इस मौके पर SSRGSP के CEO श्री गिरीश शर्मा, RRU के कुलपति प्रो. कल्पेश वांड्रा, तथा अनेक गणमान्य अतिथि, उद्योग प्रतिनिधि और शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

ग्रीन एनर्जी स्किलिंग की दिशा में SSRGSP और सुजलॉन का साझा कदम

मध्यप्रदेश शासन की प्रमुख संस्था संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) और भारत की अग्रणी अक्षय ऊर्जा कंपनी सुजलॉन समूह ने ग्रीन एनर्जी स्किलिंग के क्षेत्र में सहयोग की दिशा में पहल की है। हाल ही में SSRGSP परिसर में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में दोनों संस्थानों ने विंड टरबाइन टेक्नोलॉजी, ऑपरेशंस एंड मेंटेनेंस और ग्रीन टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों, फैकल्टी एक्सचेंज, इंटर्नशिप व रोजगार अवसरों पर गहन चर्चा की।
यह संवाद संभावित समझौता ज्ञापन (MoU) की दिशा में पहला कदम है, जिसका उद्देश्य युवाओं को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में उद्योग-तैयार कौशल प्रदान करना है। SSRGSP और सुजलॉन का यह साझा प्रयास सतत विकास लक्ष्यों को गति देने के साथ-साथ राज्य के हरित भविष्य को सशक्त बनाएगा।
इस उच्चस्तरीय बैठक में सुजलॉन समूह के सीईओ श्री जे. पी. चालसानी, मानव संसाधन प्रमुख, श्री राजेंद्र मेहता, श्री एस. के. माथुर और सचिव, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग (DTESDE) श्री अरविंद कुमार चौबे, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गतिविधियों की झलकियां

"संस्थान गीत" और न्यूज़लेटर "कौशलम्" का लोकार्पण संपन्न

प्रगति पथ पर अग्रसर संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क ने अपने मिशन और विज़न को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की दिशा में दो महत्वपूर्ण और गरिमामय पहल की हैं। इस अवसर पर संस्थान में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल जी ने SSR-GSP के आधिकारिक संस्थान गीत का भव्य लॉन्च किया। यह संस्थान गीत न केवल संस्थान के मूल्यों और सिद्धांतों को अभिव्यक्त करता है, बल्कि विद्यार्थियों और प्रशिक्षकों में आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार भी करता है।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में तकनीकी शिक्षा आयुक्त श्री अवधेश शर्मा तथा राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. कल्पेश वांड्रा जी भी उपस्थित रहे। इस विशेष अवसर पर संस्थान की मासिक न्यूज़लेटर 'कौशलम्' का भी शुभारंभ किया गया, जो न केवल SSR-GSP की उपलब्धियों को दर्शाएगा, बल्कि कौशल विकास के सफर से जुड़े प्रेरणादायक संस्मरणों को जनमानस तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा।
समारोह में संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा, संस्थान के विद्यार्थी, प्रशिक्षकगण तथा प्रतिष्ठित उद्योग जगत के अनेक गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम संस्थान की प्रतिबद्धता, नवाचार और कौशल शिक्षा में निरंतर प्रगति का प्रतीक बनकर उभरा।

लघु उद्योग भारती का 32वां स्थापना दिवस समारोह: नव प्रेरणा की ओर एक कदम

संस्थान के ऑडिटोरियम में लघु उद्योग भारती के 32वें स्थापना दिवस का आयोजन गरिमामय और प्रेरणादायक माहौल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री माननीय श्री चैतन्य काश्यप जी एवं कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) माननीय डॉ. गौतम टेटवाल जी की विशेष उपस्थिति रही, जिनकी मौजूदगी ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। इस कार्यक्रम के दौरान संस्थान के नवीन एडमिशन ब्रोशर का लोकार्पण किया गया, जो युवाओं को कौशल शिक्षा की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। साथ ही संस्थान गीत के रचनाकार श्री देव सिंह मालाकार (राजगढ़) को सम्मानित कर उनकी रचनात्मकता को सराहा गया। यह आयोजन प्रेरणा, नवाचार और कौशल विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का एक सशक्त उदाहरण बना, जिसने सभी उपस्थितजनों को एक नई ऊर्जा और उद्देश्य की ओर अग्रसर किया।

नवीन बालिका छात्रावास भवन का भव्य लोकार्पण: छात्राओं के लिए एक नया सशक्तिकरण केंद्र

संस्थान में 600 छात्राओं की क्षमता वाले नवीन **बालिका छात्रावास भवन** का लोकार्पण मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के माननीय **राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल जी** द्वारा किया गया।

यह अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास छात्राओं को एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करेगा, जिसमें वे निश्चिंत होकर अपने कौशल विकास और करियर निर्माण पर पूर्ण रूप से केंद्रित रह सकेंगी। छात्रावास भवन का निर्माण छात्राओं की सुविधा, सशक्तिकरण और समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे वे आत्मविश्वासी, जागरुक और आत्मनिर्भर बन सकें। लोकार्पण समारोह के दौरान माननीय मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, "यह छात्रावास केवल निवास की जगह नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक मजबूत आधार है।" उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहें और अर्जित कौशल के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशकगण, अधिकारी, प्रशिक्षकगण एवं अनेक छात्राएं उपस्थित रहीं। यह दिन छात्राओं के लिए न केवल नई सुविधाओं की सौगात लेकर आया, बल्कि उनके मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान कर गया।

ज़िंदगी के रंग

EMBRACING SKILL

SSR-GSP में तीन दिवसीय Embracing Skills Initiative का आयोजन

ज़िंदगी जब रंगों में बोलती है, तो हर हुनर को एक नया रूप मिल जाता है — SSR-GSP का 'Embracing Skills Initiative' कुछ ऐसी ही रंगीन अनुभूति का साक्षी बना। ग्लोबल स्किल्स पार्क का उद्देश्य केवल तकनीकी शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां व्यक्तित्व के सभी पहलुओं को निखारने का प्रयास किया जाता है। यहां हम हर दिन कुछ नया, कुछ अनोखा सीखते हैं और अपने भीतर छिपी संभावनाओं को कौशल में बदलने का प्रयास करते हैं। इसी सोच को साकार करते हुए संस्थान में Embracing Skills पहल के अंतर्गत "ज़िंदगी के रंग" कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य छात्रों में छिपे हुनर को पहचानना और उन्हें अभ्यास में लाना है। इस श्रृंखला के तहत आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम "ज़िंदगी के रंग" ने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ जीवन के विभिन्न रंगों से रुबरु कराया। पहले दिन संस्थान का प्रांगण एक कला मंच में तब्दील हो गया, जहाँ चित्रकार सायंती अधिकारी ने अपनी कला के माध्यम से कल्पनाओं को कनवास पर उतारा। छात्रों ने भी ब्रश थामकर अपनी भावनाओं को रंगों के ज़रिए व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक रंगों की विशेषताओं के बारे में जाना और कला को अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम समझा।

दूसरे दिन रंगमंच और अभिनय पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में "प्रेम पतंगा, कानपुरिया" जैसे प्रसिद्ध मंचन करने वाले "विहान ग्रुप" के संस्थापक सौरभ अनंत एवं उनके साथी रंगकर्मी श्वेता केतकर, अंकित परोचे और हेमंत देओलेकर ने छात्रों को रंगमंच की गहराई से एवं अभिनय की कला से प्रभावित किया। यह सत्र सिर्फ एक नाट्य प्रस्तुति नहीं था, बल्कि एक ऐसा अनुभव बना जिसने मानवीय संवेदनाओं, सीमाओं और संघर्षों को छूने का अवसर दिया। इस दिन छात्रों ने मंच के ज़रिए भावनाओं को समझने, अभिव्यक्त करने और आत्मविश्लेषण करने की नई दिशा पाई।
तीसरे दिन का सत्र फोटोग्राफी पर आधारित था। फिल्म मेकर, लेखिका और फोटोग्राफर श्रीमती भावना जायसवाल ने छात्रों को एक फोटोग्राफर की दृष्टि से जीवन को देखने और पकड़ने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि कैसे हर क्षण, हर दृश्य और हर व्यक्ति में एक कहानी होती है जिसे संवेदनशीलता और रचनात्मक दृष्टिकोण से कैमरे में कैद किया जा सकता है। यह सत्र छात्रों के आत्मविश्वास, अवलोकन क्षमता और कल्पनाशक्ति को एक नई दिशा देने वाला रहा।
कार्यक्रम के समापन पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति ने सभी को प्रोत्साहित किया। अंत में उन छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने इन तीनों दिनों में अपनी रचनात्मकता, सहभागिता और प्रस्तुति से "ज़िंदगी के रंग" को जीवंत बना दिया। इन पुरस्कारों ने प्रतिभागियों में केवल आत्मबल नहीं बढ़ाया, बल्कि कला और कौशल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की प्रेरणा भी दी।
यह तीन दिवसीय आयोजन एक प्रमाण है कि SSR-GSP न केवल तकनीकी दक्षता का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसा मंच भी है जहाँ जीवन के रंगों को पहचान कर उन्हें आत्मविकास में बदला जाता है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क में माइंड एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप

भावनात्मक संतुलन और मानसिक सशक्तिकरण की ओर एक प्रेरक कदम

जब जीवन की दौड़ में ठहराव जरूरी हो, तब आत्म-चिंतन और मानसिक संतुलन हमें दिशा दिखाते हैं SSR-GSP में आयोजित 'Art of Living' कार्यशाला ने छात्रों को यही जीवन मंत्र सिखाया। संस्थान में छात्रों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग की माइंड एंड स्ट्रेस मैनेजमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का उद्देश्य करियर की भागदौड़ के बीच युवाओं को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना था।
इस सत्र का नेतृत्व प्रोफेशनल डेवलपमेंट के निदेशक श्री सी. के. बघेल द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को तनाव प्रबंधन, आत्म-संयम, भावनात्मक संतुलन और सकारात्मक सोच के व्यवहारिक सूत्रों से अवगत कराया। कार्यशाला में छात्रों ने न केवल उत्साहपूर्वक भाग लिया, बल्कि मानसिक लचीलापन, एकाग्रता की तकनीक और जीवन में संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपाय भी सीखे।

SSR-GSP में नए शैक्षणिक सत्र की भव्य शुरुआत

तकनीकी शिक्षा, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर एक नया कदम

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSR-GSP) में शैक्षणिक सत्र 2025–26 की शुरुआत ओरिएंटेशन कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें देशभर से आए 350 से अधिक छात्र-छात्राओं की उपस्थित रही। यह उपस्थिति SSR-GSP की बढ़ती लोकप्रियता और तकनीकी शिक्षा के प्रति युवाओं की गंभीरता को दर्शाती है।उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से आए विद्यार्थियों ने संस्थान को अपने भविष्य की नींव के रूप में चुना है। ओरिएंटेशन सत्र में SSR-GSP की आधुनिक शिक्षण प्रणाली, उद्योग-आधारित पाठ्यक्रमों, और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की जानकारी साझा की गई। यह संस्थान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल, सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन एवं संस्थान के CEO श्री गिरीश शर्मा के मार्गदर्शन में SSR-GSP तकनीकी शिक्षा को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण से जोड़ने का कार्य कर रहा है। यह ओरिएंटेशन सिर्फ एक औपचारिक शुरुआत नहीं, बल्कि भविष्य निर्माता युवाओं को सही दिशा देने की ओर एक प्रेरणादायक पहल है।

टीम बिल्डिंग वर्कशॉप का हुआ आयोजन

वास्तविक जीवन कौशल सीखने में निर्णय लेने की क्षमता महत्व रखती है।

विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संवाद कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्थान में टीम बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला संस्थान लाइफ स्किल्स ट्रेनर्स के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास तथा वास्तविक जीवन कौशल को विकसित करना रहा। सत्र की शुरुआत सहभागिता आधारित रोचक गतिविधियों से हुई, जिनमें छात्रों ने समूह में मिलकर कार्य करना सीखा। इन गतिविधियों ने न केवल टीमवर्क और सहयोग का महत्व समझाया, बल्कि प्रभावी संप्रेषण और आत्म-प्रेरणा जैसे कौशलों को भी निखारा।

कार्यक्रम के दौरान लाइफ स्किल्स ट्रेनर डॉ. आकाश तिवारी ने जिंदगी से जुड़े अनुभवों को प्रेरणादायक अंदाज में साझा किया। उनके उदाहरणों और संवाद शैली ने छात्रों को सकारात्मक सोच अपनाने और प्रोफेशनल व्यवहार में सुधार लाने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागी छात्रों को प्रेरक फिल्में, चित्र प्रदर्शनी और संवादात्मक समूह गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिला। वर्कशॉप के समापन पर प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। संस्थान द्वारा समय-समय पर इस प्रकार की जीवन कौशल विकास कार्यशालाएं आयोजित की जाती रही हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों की स्वतंत्र सोच, निर्णय लेने की क्षमता और व्यावसायिक दक्षताओं को मजबूत करना है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

पर्यावरण संरक्षण केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। इसी संदेश को आत्मसात करते हुए संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSR-GSP) में विश्व पर्यावरण दिवस पर विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। यह दिन संस्थान के विद्यार्थियों के लिए प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व की भावना को और गहरा करने का अवसर बना।कार्यक्रम की शुरुआत वृक्षारोपण से हुई, जिसमें छात्रों ने संस्थान परिसर को अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से सक्रिय सहभागिता निभाई। इसके साथ ही, चित्रकला गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने "हरित धरती, स्वच्छ भविष्य" विषय पर अपनी रचनात्मकता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

गौरतलब है कि SSR-GSP तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है। यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भविष्य के इंजीनियर्स और तकनीकी पेशेवरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने सभी विकास कार्यों में प्राकृतिक संसाधनों, वृक्षों और वन्य जीवों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

हरियाली की ओर जागरूक कदम

तकनीकी दक्षता से वैश्विक अवसरों की ओर एक कदम और – SSRGSP में जर्मन भाषा कक्षाएं शुरू

SUBHASH Initiative के तहत संस्थान में जर्मन भाषा कक्षाओं की शुरुआत हुई। यह पहल MatX Structures, Germany के सहयोग से शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के रोजगार अवसरों से जोड़ना और उन्हें वैश्विक कार्य संस्कृति के लिए तैयार करना है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मेक्ट्रॉनिक्स, कंक्रीटर, मेटल वर्कर, रोड कंस्ट्रक्शन एवं ब्रिकलेयर कोर्सों के छात्र इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन MatX Structures के MD श्री ओंकार काळवडे द्वारा किया गया, जिन्होंने जर्मन भाषा के महत्व और इसके करियर लाभों पर प्रकाश डाला। संस्थान के CEO श्री गिरीश शर्मा की प्रेरणादायक उपस्थिति ने छात्रों का उत्साह बढ़ाया। यह पहल न केवल भाषा सीखने की दिशा में एक प्रयास है, बल्कि संस्थान की उस सोच का प्रतीक है जो छात्रों को तकनीकी के साथ-साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भी तैयार कर रही है।

महिला नेतृत्व की नई परिभाषा: SSR GSP में हुआ 'फ्रॉम क्लासरूम टू बोर्डरूम' कार्यक्रम

कभी-कभी एक सही शुरूआत, पूरे सफर को दिशा दे देती है। संस्थान में आयोजित 'The Final Touch – From Classroom to Boardroom: Get Set Corporate' कार्यक्रम ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया – जब प्रशिक्षण कक्ष में बैठी छात्राएं, आत्मविश्वास के साथ अपने प्रोफेशनल जीवन की ओर पहला कदम बढ़ाने को तैयार दिखीं। इस एकदिनी सत्र में छात्राओं को कॉर्पोरेट दुनिया के लिए मानसिक, व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से तैयार किया गया। कार्यक्रम में स्व-प्रस्तुतीकरण, प्रभावी संवाद, भावनात्मक कुशलता एवं प्रेरणादायक महिला नेतृत्वकर्ताओं से बातचीत जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित संवाद-सत्र आयोजित किए गए।

यह दिन केवल ज्ञान का आदान-प्रदान नहीं था, बल्कि एक ऐसा अनुभव था जिसने प्रतिभागियों के भीतर नेतृत्व, आत्मबल और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ने की भावना को प्रबल किया। इस तरह की पहलें SSR-GSP की उस दृष्टि को मजबूत करती हैं, जहां कौशल के साथ-साथ आत्मविकास और नेतृत्व क्षमता को भी संवारने पर समान रूप से बल दिया जाता है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरूकता संवाद

ISHRAE के सहयोग से कार्बनाइजेशन स्ट्रेटेजी पर एक तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन

संवहनीय विकास में कार्बनाइजेशन लक्ष्यों की व्यापक समझ को साझा करने के उद्देश्य से संस्थान में विश्व पृथ्वी दिवस पर एक तकनीकी संगोष्ठी आयोजित हुई । एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन विभाग के नेतृत्व में आयोजित संगोष्ठी में कार्बन फुटप्रिंट को मापने, वैश्विक ताप में कमी लाने जैसे विषयों पर गंभीरता से विचार किया गया। विभागाध्यक्ष श्री दीपक राय ने बताया की संगोष्ठी में तकनीकी सहयोग प्रदान करते हुए ISHRAE के विषय विशेषज्ञों ने संवहनीय विकास में आधुनिक रेफ्रिजरेशन प्रणालियों के उपयोग और आवश्यकता नियंत्रण के मुद्दों पर छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

औद्योगिक अनुभव की ओर एक कदम: SSRGSP छात्रों ने किया वोल्वो आयशर, बागरोदा का शैक्षणिक भ्रमण

संस्थान में एडवांस्ड ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी का अध्ययन कर रहे छात्रों को वोल्वो आयशर कमर्शियल व्हीकल्स, बागरोदा की अत्याधुनिक प्रोडक्शन यूनिट का भ्रमण करने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। यह औद्योगिक दौरा छात्रों

के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उन्हें उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणालियों को नज़दीक से समझने का एक व्यवहारिक अनुभव भी प्रदान किया। छात्रों ने असेंबली लाइन, गुणवत्ता नियंत्रण, ऑटोमेशन सिस्टम और आधुनिक तकनीकी समाधान का अवलोकन किया और जाना कि कैसे एक कमर्शियल व्हीकल को अत्याधुनिक तकनीक के साथ निर्मित किया जाता है।

इस प्रेरणादायक दौरे ने छात्रों के तकनीकी कौशल को नई दिशा दी और उन्हें भविष्य के लिए अधिक तैयारबनाया। संस्थान का यह प्रयास छात्रों को उद्योग से जोड़ने और उन्हें भविष्य के पेशेवर जीवन के लिए तैयार करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ।

एक दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन

सभी आधुनिक इमारतों और औद्योगिक इकाइयों में एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन यूनिट्स एक महत्वपूर्ण विंग के तौर पर काम करती है। संस्थान में इस यूनिट के रखरखाव और क्रियान्वयन पर आधारित व्यापक रिसर्च के लिए स्पेशलाइज्ड कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। ये कहना है एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रिजरेशन विभाग के विभागाध्यक्ष – श्री दीपक राय का। दीपक ISHRAE के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी में स्वतंत्र उद्यमियों और छात्रों से जानकारी साझा कर रहे थे । इस संगोष्ठी का उद्देश्य नवीनतम एयर कंडीशनिंग तकनीकों, विशेष रूप से VRV प्रणाली और उसके अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्रदान करना था। सत्र में DAIKIN कंपनी के विशेषज्ञों ने भी तकनीक,उत्पाद श्रृंखला,अनुप्रयोग पर आधारित कॉन्सेप्ट नोट भी प्रतिभागियों से साझा किए। इस क्रम में छात्रों ने इंटरेक्टिव प्रश्नोत्तरी सत्र में भी बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई।

पठन संस्कृति को बढ़ावा: छात्रों को मिले प्रशस्ति पत्र

किताबें हमें प्रश्न करना सिखाती हैं किताबें ही हमें समाधान की ओर ले जाती हैं। अगर हमारे साथ किताबें हों तो मुश्किलें अपने आप सरल हो जाती हैं। पुस्तक संस्थान की एक ऐसी पहल, एक ऐसा इनिशिएटिव है जो छात्रों को अच्छी किताबों की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में डिजिटल मिनिमलिज्म तथा सत्याग्रह इन चंपारण नामक दो पुस्तकों का पठन-पाठन आईटीआई संस्थाओं, पॉलिटेक्निक तथा इंजीनियर कॉलेज के छात्रों के द्वारा किया गया। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल द्वारा इन प्रशिक्षणार्थियों और छात्रों को उनके इस प्रशंसनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

पुस्तक सबसे अच्छी मित्र हैं। छात्रों में किताबों के प्रति लगाव पैदा करना और उन्हें निरंतर ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना ही संस्थान का लक्ष्य है।

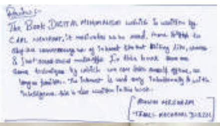

रोजगार और कौशल के बीच अंतर को कम करना ही प्राथमिकता

अकादमिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

रोजगार और औद्योगिक कौशल के बीच अन्तर कम करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिवालय, वल्लभ भवन में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार विभाग की अकादमिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के सचिव श्री रघुराज राजेंद्रन ने उन सभी संभावनाओं को मंडल के समक्ष रखा जिसमें फार्मा, आईटी, लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोटिव, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और ड्रोन सहित विविध क्षेत्रों के प्रमुख उद्योग और नियोक्ता ग्लोबल स्किल्स पार्क से तैयार कुशल पेशेवरों पर अपना ध्यान लगा रहे हैं।

मध्यप्रदेश शासन के औद्योगिक नीति और निवेश संवर्धन विभाग और एमएसएमई विभाग युवाओं के लिए प्रचूर अवसरों सृजन कर रहा है जो तकनीकी कौशल में निपुण और दक्ष हैं। विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह (आईएएस) ने बैठक का नेतृत्व करते हुए शिक्षण-प्रशिक्षण गतिविधियों की व्यापक समीक्षा की। इसी क्रम में आधुनिक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुकूल शैक्षणिक पाठ्यचर्या को अपग्रेड करने की व्यापक रणनीति पर विचार- विमर्श किया गया। बैठक के दौरान सलाहकार मंडल आधुनिक उद्योगों की लगातार बदलती जरूरतों और वांछित तकनीकी कौशल को पाठ्यक्रम डिजाइन में शामिल करने की अनुशंसाओं पर विचार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में औद्योगिक विकास का रुझान सकारात्मक है। इस दृष्टि से हमारे ग्लोबल स्किल्स पार्क की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। संस्थान देश-प्रदेश के अध्ययनरत प्रशिक्षार्थियों को तकनीकी कौशल में निपुण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिक्षा का नया क्षितिज: SSRGSP में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रेरणादायक सत्र

शिक्षा की बदलती दिशा और नई सोच को समझने का एक अद्वितीय अवसर तब सामने आया, जब संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) के ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निट्टे एजुकेशन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रोफेसर संदीप शास्त्री ने नीति के अंतर्निहित दर्शन और व्यावहारिक दृष्टिकोण को अत्यंत सहज, रोचक और विचारोत्तेजक शैली में प्रस्तुत किया। उनकी सम्मोहक अध्यापन शैली ने न केवल छात्रों को, बल्कि उपस्थित वरिष्ठ शिक्षाविदों और संस्थान के अधिकारियों को भी गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 केवल शैक्षणिक ढांचे में बदलाव नहीं, बल्कि विचारशीलता और नवाचार की ओर बढ़ता एक क्रांतिकारी कदम है। प्रो. शास्त्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह नीति शिक्षा को "क्या सोचें" से "कैसे सोचें", और रटने की परंपरा से हटाकर चिंतनशील व अनुभवात्मक अधिगम की ओर ले जाती है।इस सत्र में SSRGSP के विद्यार्थियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षा के नवाचार पर हुआ यह संवाद न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि सभी प्रतिभागियों के लिए आधुनिक शिक्षण पद्धतियों की समझ को और गहरा करने वाला एक मूल्यवान अनुभव भी बना।

पुनर्जनी पहल के लिए जावद आईटीआई के छात्र सम्मानित

पुनर्जनी पहल वास्तविक कौशल के जरिए समस्या में समाधान खोजने का साहस देती है। ग्लोबल स्किल्स पार्क की बीस क्रांतिकारी पहलों में से एक पुनर्जनी के सुखद परिणाम आंचलिक स्तर पर दिखाई देने लगे हैं। जावद आईटीआई के इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक व्यवसाय के छात्रों ने खराब LED बल्बों को सुधार कर आम जनमानस में निःशुल्क लौटाने का प्रशंसनीय कार्य किया है। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के शीर्ष प्रबंधन द्वारा जावद आईटीआई के इन सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गये हैं।

हब एंड स्पोक मॉडल: तकनीकी शिक्षा की नई रफ्तार

SSR ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP), भोपाल के नेतृत्व में हब एंड स्पोक मॉडल के अंतर्गत ITI भिंड में तीन प्रभावशाली प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन पहलों का उद्देश्य क्षेत्रीय युवाओं में आवश्यक आधारभूत कौशल विकसित करना और उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण की दिशा में मार्गदर्शन देना रहा। आयोजित कार्यक्रमों में 30-30 दिनों की अवधि के दो तकनीकी कोर्स – बेसिक इलेक्ट्रिशियन और बेसिक कंप्यूटर शामिल रहे, जिनमें प्रत्येक में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन कोर्सों को इस तरह डिज़ाइन किया गया कि युवा उद्योग की मांग के अनुरूप व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त, लगभग 30 NCC कैडेट्स के लिए एक विशेष ITI ओरिएंटेशन सेशन का आयोजन किया गया। यह सत्र डिजिटल साक्षरता बढ़ाने, स्किल-बेस्ड करियर के विकल्पों से अवगत कराने और अनुशासित युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। इस सफल क्रियान्वयन ने SSR-GSP (हब) और ITI भिंड (स्पोक) के बीच प्रभावी समन्वय और स्थानीय औद्योगिक मांगों के अनुरूप कौशल विकास के प्रयासों को दर्शाया। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में इसी तरह के और भी परिवर्तनकारी कार्यक्रम शीघ्र ही आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के युवाओं को एक सशक्त, स्किल्ड और रोजगारोन्मुख भविष्य की ओर ले जाने का कार्य करेंगे।

पुराने अनुभव, नई प्रेरणा: SSR-GSP में पूर्व विद्यार्थियों का प्रेरणादायक संवाद

SSR-GSP के छठवें बैच के वे पूर्व विद्यार्थी, जिन्हें लाइट गाइड ऑप्टिक्स, इंदौर (जो रक्षा उपकरणों के पुर्जों का निर्माण करती है) में कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार मिला था, हाल ही में संस्थान पधारे। एक वर्ष के व्यावसायिक अनुभव के साथ लौटे इन छात्रों ने अपने काम के अनुभव साझा किए और वर्तमान विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविकताओं, अवसरों और चुनौतियों से अवगत कराया।

उनकी बातें न केवल मार्गदर्शक रहीं, बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास, प्रेरणा और अपने करियर को लेकर नई ऊर्जा का संचार भी हुआ। SSR-GSP अपने पूर्व छात्रों के इस योगदान के लिए आभारी है और ऐसे संवादों को भविष्य में भी जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

मिशन इंग्लिश: 400 छात्र, सफलता की ओर एक और कदम

SSR ग्लोबल स्किल्स पार्क में अंग्रेज़ी दक्षता मूल्यांकन का आयोजन

भाषा वह चाबी है जो असीम संभावनाओं के द्वार खोलती है। एसी ही एक कोशिश संस्थान के सभी छात्रों के लिए संस्थान द्वारा की गई। जहां संस्थान के सभी बैचों के 400 छात्रों के लिए अंग्रेज़ी दक्षता परीक्षण का आयोजन किया गया।

इस परीक्षा का उद्देश्य छात्रों को अपनी भाषा कौशल का मूल्यांकन करने का अवसर देना और उनमें आत्मविश्वास का संचार करना था, ताकि वे वैश्विक अवसरों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। यह पहल न केवल उनके संचार कौशल को निखारने की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि उन्हें भविष्य में सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचने में सहायक भी सिद्ध होगी।

ऐसे ही प्रयास संस्थान द्वारा निरंतर किए जा रहे हैं कि छात्रों को न केवल तकनीकी बल्कि भाषाई रूप से भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाया जा सके।

SSR-GSP में प्रशिक्षण का नया अध्याय: शिक्षकों को मिला वैश्विक दृष्टिकोण

SSR ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में संस्थान के ट्रैनर्स के लिए दो सप्ताहीय पेडागॉजी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण ITEES सिंगापुर के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक शिक्षण विधियों और कौशल संवर्धन तकनीकों से परिचित कराना था, जिससे वे अपनी प्रशिक्षण शैली को वैश्विक मानकों के अनुरूप और अधिक प्रभावी बना सकें। प्रशिक्षण के दौरान सहभागियों को छात्र-केंद्रित शिक्षण, इंटरएक्टिव लर्निंग टूल्स और व्यावसायिक शिक्षण रणनीतियों से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जो उनकी सीखने की प्रतिबद्धता और शिक्षण गुणवत्ता में निरंतर सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह पहल SSR-GSP द्वारा तकनीकी शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में उठाया गया एक और सराहनीय कदम है।

जब संवाद बना सेतु, और गतिविधियाँ बनीं आत्मविश्वास की सीढ़ी

SSRGSP में आइस-ब्रेकिंग सेशनों ने रखी एक सशक्त शुरुआत की नींव!

संस्थान में मई 2025 बैच के नए प्रशिक्षुओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय आइस-ब्रेकिंग सेशनों ने एक औपचारिक स्वागत से कहीं आगे जाकर छात्रों के भीतर सहयोग, नेतृत्व और आत्मविश्वास की चिंगारी जगाई। संस्थान में इन सेशनों का आयोजन अब तक दो बार सफलतापूर्वक हो चुका है दोनों ही बार प्रतिभागियों ने इसे एक परिवर्तनकारी अनुभव के रूप में महसूस किया।

सेशनों को प्रभावशाली बनाने के लिए प्रतिभागियों को विभिन्न टीमों में बाँटा गया, जहाँ उन्होंने मार्शमैलो चैलेंज, प्रेजेंटेशन एक्टिविटी, जोहरी विंडो इंट्रो, क्लिप डिस्कशन, और ऑर्गनाइज़ेशनल मेज़ जैसी गतिविधियों में भाग लिया। इन प्रयोगात्मक गतिविधियों ने छात्रों में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता, आत्मनिरीक्षण, पारस्परिक संवाद और रणनीतिक सोच जैसे महत्वपूर्ण गुणों का विकास किया। जोहरी विंडो जैसी गतिविधियों ने उन्हें आत्म-चिंतन और दूसरों की दृष्टि से स्वयं को समझने का अवसर दिया, वहीं ऑर्गनाइज़ेशनल मेज़ ने उन्हें धैर्य, सहयोग और रणनीति की महत्ता से परिचित कराया।

यह संपूर्ण आयोजन संस्थान की लाइफ स्किल्स टीम द्वारा डिज़ाइन व संचालित किया गया, जिनके मार्गदर्शन और सकारात्मक दृष्टिकोण ने इन सेशनों को एक प्रभावशाली और अनुभवपरक यात्रा में परिवर्तित कर दिया।

यह सत्र न केवल शैक्षणिक जीवन की शुरुआत थे, बल्कि प्रशिक्षुओं के लिए आत्म-बोध, विश्वास, और सह-अस्तित्व की दिशा में पहला सशक्त कदम भी साबित हुए। SSRGSP में प्रशिक्षण अब केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं – यह अब एक समग्र विकास की यात्रा है जहाँ हर छात्र अपने भीतर की क्षमता को पहचानता है, और समाज के लिए एक सक्षम योगदानकर्ता बनने की ओर बढ़ता है।

इंडस्ट्री विज़िट्स

SSR-GSP में Center of Research and Excellence के श्री विकास भाटिया का प्रेरणादायक दौरा

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSR-GSP) में Center of Research and Excellence से पधारे श्री विकास भाटिया का औपचारिक दौरा संपन्न हुआ। यह अवसर संस्थान के लिए अत्यंत गर्व का विषय रहा।

दौरे के दौरान श्री विकास भाटिया ने SSR-GSP के उच्च तकनीक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट प्रशिक्षण कक्षों, और आधुनिक अधोसंरचना का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उपलब्ध संसाधनों, उन्नत तकनीकी उपकरणों और प्रशिक्षकों द्वारा अपनाई जा रही नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों की खुले दिल से प्रशंसा की।

श्री विकास भाटिया ने संस्थान में निर्मित "फ्यूचर-रेडी" वातावरण को युवा भारत के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया, जहाँ तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ नेतृत्व, नवाचार और उद्यमिता को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

उनकी सराहना SSR-GSP की उस दूरदर्शी सोच को मान्यता प्रदान करती है, जिसके अंतर्गत हम युवाओं को वैश्विक मानकों पर आधारित कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर और उद्योगों के लिए उपयुक्त बना रहे हैं।

इस प्रेरणादायक दौरे ने संस्थान की प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त किया है और हमारी टीम को निरंतर नवाचार व गुणवत्ता की दिशा में अग्रसर रहने हेतु प्रोत्साहित किया है।

औद्योगिक अध्ययन यात्रा: भविष्य की तकनीकों से साक्षात्कार

भोपाल स्थित सागर इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (SIRT) के छात्रों ने संस्थान का शैक्षणिक एवं प्रेरणादायक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नवीनतम नवाचारों और भविष्य की कार्यशैली को आकार देने वाली तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

यह एक ऐसा दिन रहा जहाँ छात्रों को न केवल कौशल विकास की नवीनतम विधियों से रूबरू होने का अवसर मिला, बल्कि उन्होंने सीखने की असीम संभावनाओं के द्वार भी खोले।

SSR-GSP का यह दौरा उनके लिए प्रेरणा, जानकारी और तकनीकी समझ से भरपूर रहा।

JNCT के छात्रों ने SSRGSP का शैक्षणिक भ्रमण किया

संस्थान में जेएनसीटी (JNCT) के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। यह भ्रमण तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और करियर के अवसरों से जुड़ी समझ को गहरा करने वाला अनुभव रहा।

छात्रों ने SSRGSP विशेषज्ञों से संवाद कर नवीनतम तकनीकी रुझानों और स्किल्स की जानकारी प्राप्त की। उनकी जिज्ञासा और सीखने की ललक भारत की युवा शक्ति में तकनीकी शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान का प्रमाण है। SSRGSP को इन होनहार छात्रों की मेज़बानी पर गर्व है।

SSRGSP के साथ एंड्रिट्ज हाइड्रो मंडीदीप का उद्योग-अकादमिक सहयोग की ओर एक महत्वपूर्ण कदम

तकनीकी शिक्षा और उद्योग के बीच सेतु निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एंड्रिट्ज हाइड्रो मंडीदीप के वरिष्ठ अधिकारियों ने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य SSRGSP के प्रशिक्षार्थियों के लिए संभावित प्लेसमेंट अवसरों की खोज और उद्योग के कर्मचारियों की इन-सर्विस अपस्किलिंग में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करना था।

प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण सुविधाओं और नवाचार केंद्रों का निरीक्षण किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों की तकनीकी दक्षता की सराहना की। यह दौरा SSRGSP की क्षमताओं को उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करने और एंड्रिट्ज हाइड्रो जैसे प्रतिष्ठित उद्योग भागीदार के साथ सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास रहा। प्रतिनिधिमंडल में श्री दीपक त्यागी (उपाध्यक्ष - संचालन), श्री अजय पांडे (उप महाप्रबंधक – एच आर) और श्री आनंद सुखेजा (उप महाप्रबंधक - विनिर्माण) शामिल रहे।

प्रोफेसर एस.पी. सिंह, डायरेक्टर जनरल,
कौशल्या - द स्किल्स यूनिवर्सिटी (गुजरात सरकार)

जब मैं ग्लोबल स्किल पार्क मध्य प्रदेश में गया तो मुझे बहुत ही आश्चर्य और सुखद अनुभव हुआ की यहां पर जिस तरह की फैसिलिटी क्रिएट की है मध्य प्रदेश शासन के द्वारा और इतना बड़ा सेंटर बनाया गया जिसमें हाई स्टैंडर्ड स्किलिंग की सुविधाएं दी गई हैं। सारी मशीन और जो भी इंफ्रास्ट्रक्चर है वह बहुत ही ग्लोबल स्टेंडर्ड का है। स्टूडेंट की जहां बात है तो देखा कि बहुत सारे बच्चे जो आईटीआई से आए हैं या कुछ पोलिटेक्निक इंजीनियर भी है, अपना अध्ययन कर रहे हैं, यह सब बच्चे यहां से निकलेंगे तो इंडस्ट्री में हमेशा से जो इंडस्ट्री के रिक्वायरमेंट के हिसाब से स्किल गैप्स की दिक्कत रहती है, मैं समझता हूं कि ग्लोबल स्किल्स पार्क गैप कम करने का प्रयास कर रहा है। यह इंडस्ट्री के लोगों को लाकर उन बच्चों को लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ इंडस्ट्री कमीटमेंट को पूरा कर रहा है। यहाँ ज्यादा से ज्यादा बच्चे ज्वाइन करें और मैं तो भविष्य में चाहूंगा कि ग्लोबल स्किल पार्क एक स्किल यूनिवर्सिटी के रूप में परिवर्तित हो और इसमें बहुत सारे इंडस्ट्री के लोग पार्टनर बनकर सहयोग करें।

श्री नागार्जुन सडिनेनी
प्रो-वाइस चांसलर, पीईएस यूनिवर्सिटी

ग्लोबल स्किल्स पार्क (GSP), भोपाल का दौरा मेरे लिए एक प्रेरणादायक अनुभव रहा। यह पहल न केवल तकनीकी शिक्षा को नई दिशा दे रही है, बल्कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों को औद्योगिक कौशल से जोड़ रही है। यहाँ ऑटोमोटिव, रोबोटिक्स, IoT, मैकेनिकल, मैकॉट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंस्ट्रुमेंटेशन जैसी तकनीकों में बेहतरीन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। छात्रों को आवास और अत्याधुनिक लैब्स की सुविधा मिल रही है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह प्रधानमंत्री के "Skilled India" विज़न की सजीव मिसाल है। PS University की ओर से हम इस पहल का पूर्ण समर्थन करते हैं और भविष्य में सहयोग के लिए उत्सुक हैं।

व्यावसायिक शिक्षा के लिए वैश्विक सहयोग का प्रेरक कदम। श्रीलंका के प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल ने ग्लोबल स्किल्स पार्क का दौरा किया।

वैश्विक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण में ग्लोबल स्किल्स पार्क ने एक मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। उसी का परिणाम है कि श्रीलंका की तकनीकी शिक्षा परिषद् के एक शिष्ट मंडल के द्वारा संस्थान का भ्रमण किया गया। यह मुलाकात व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरक अवसर रही। प्रतिनिधिमंडल को SSR-GSP की कार्यप्रणाली, मिशन और प्रमुख पहलों से अवगत कराया गया। इसके अंतर्गत एक प्रेजेंटेशन, संस्थान भ्रमण और प्रशिक्षार्थियों से संवाद शामिल रहा। प्रतिनिधियों ने अत्याधुनिक लैब्स, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग सिस्टम और उद्योग-उन्मुख मॉडल की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल में **डॉ. कुलरत्ने लोकु विडानेलगे सुनील**, जो यूनिवर्सिटी ऑफ वोकेशनल टेक्नोलॉजी के फैकल्टी ऑफ एजुकेशन के डीन हैं, प्रमुख रूप से शामिल थे। उनके साथ **श्री जयथिलका एस. पिनावाला अप्पुहामिलगे रेसिक सूरज**, निदेशक – HRDC, यूनिवर्सिटी ऑफ वोकेशनल टेक्नोलॉजी भी उपस्थित रहे। श्री विक्रमसिंघे अनुर देशप्रिय, एक फ्रीलांस कंसल्टेंट के रूप में अपनी व्यावसायिक दृष्टि साझा करते हुए, संस्थान की सराहना की। साथ ही, श्री कनगालिंगम विमल, जो TVET पार्टनरशिप और कोऑर्डिनेशन के सलाहकार हैं, उन्होंने SSR-GSP की प्रशिक्षण प्रणाली को वैश्विक मानकों के अनुरूप बताया। प्रतिनिधिमंडल में एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) के विशेषज्ञ श्री श्रीकांत बंसल भी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने इस दौरे को और अधिक विशिष्ट बनाया। प्रतिनिधिमंडल को स्मृति चिन्ह और विज़िटर्स बुक भेंट की गई। यह यात्रा दोनों संस्थानों के बीच भविष्य में सहयोग, नवाचार और साझा विकास की संभावनाओं को प्रबल करती है।

कौशल, तकनीक और सहयोग की त्रिवेणी बनी SSRGSP में SCHOOLNET की विज़िट

संस्थान में SCHOOLNET Learning for Life के वरिष्ठ प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया गया, जिनमें प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री आर.सी.एम. रेड्डी, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी श्री शैलेश कारवे, उपाध्यक्ष एवं ज़ोनल हेड (पश्चिम) श्री जयदीप सिंह तथा उनकी टीम शामिल रही। संस्थान के एक्सटर्नल रिलेशन्स निदेशक नीरज सहाय ने प्रतिमंडल का स्वागत किया, जिसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने SSRGSP के अत्याधुनिक परिसर का भ्रमण किया और विभिन्न अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का निरीक्षण कर संस्थान में चल रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता की सराहना की। यह विज़िट ज्ञान, सहयोग और भविष्य की साझेदारी की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल रही।

आईटीआई गोविंदपुरा के छात्रों का ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक दौरा

आईटीआई गोविंदपुरा के छात्रों ने ग्लोबल स्किल्स पार्क के प्रेरणादायक परिसर को नजदीक से जानने का प्रयास किया। यह शैक्षणिक यात्रा छात्रों के लिए तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक अनुभवों को एक साथ समझने का अवसर दिलाने में सफल साबित हुई। इस ज्ञानवर्धक भ्रमण के दौरान छात्रों ने संस्थान की अत्याधुनिक मशीनरी, प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं और अत्याधुनिक तकनीकी अधोसंरचना का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्हें उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद करने का भी अवसर मिला, जिसमें उन्होंने वर्तमान औद्योगिक प्रक्रियाओं, तकनीकी नवाचारों और करियर संभावनाओं के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की।

यह अनुभव न केवल छात्रों की जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने बल्कि उन्हें कक्षा में प्राप्त ज्ञान को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पटेल कॉलेज के छात्रों ने लिया व्यावहारिक एवं तकनीकी अनुभव

पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रातीबड़ के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागों के 38 छात्रों ने संस्थान का शैक्षणिक औद्योगिक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान की अत्याधुनिक तकनीकी प्रयोगशालाओं, उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण व्यवस्थाओं और आधुनिक शिक्षण विधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

दौरे का उद्देश्य छात्रों को मशीनरी संचालन, स्वचालन (Automation), गुणवत्ता नियंत्रण (Quality Control) और अन्य प्रमुख औद्योगिक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। SSRGSP में प्रशिक्षकों द्वारा दिए गए तकनीकी सत्रों और लाइव डेमो के माध्यम से छात्रों को यह समझने का अवसर मिला कि किस प्रकार से तकनीकी शिक्षा को वास्तविक औद्योगिक आवश्यकताओं से जोड़ा जा सकता है।

यह अनुभव विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा, जहाँ उन्होंने न केवल आधुनिक तकनीकों को समझा, बल्कि यह भी जाना कि उद्योग और अकादमिक जगत के बीच की दूरी को कम कर एक सशक्त और दक्ष कार्यबल का निर्माण किया जा सकता है।

SISTec कॉलेज के इलेक्ट्रिकल तृतीय वर्ष के छात्रों ने पार्क का भ्रमण किया

सिस्टेक कॉलेज, गांधी नगर, भोपाल के इलेक्ट्रिकल ब्रांच के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का संस्थान में शैक्षणिक भ्रमण हुआ। इस अवसर पर छात्रों ने अनुसंधान, तकनीक और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की दुनिया को नज़दीक से जाना। यह भ्रमण छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरक रहा, जिसमें उन्होंने आधुनिक लैब्स, उन्नत उपकरणों और विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से उद्योग और शिक्षा के बीच के सेतु को महसूस किया। इस भ्रमण ने छात्रों को भविष्य के उद्योगों की आवश्यकताओं और अवसरों से अवगत कराया, जिससे वे और अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने व्यावसायिक सफर की ओर अग्रसर हो सकें।

Felix Generics Pvt. Ltd., पीथमपुर का SSR-GSP भ्रमण

संस्थान में Felix Generics Pvt. Ltd., पीथमपुर की टीम का संस्थान भ्रमण एक प्रेरणादायक क्षण रहा। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण सुविधाओं एवं तकनीकी अधोसंरचना का व्यापक अवलोकन किया। इस दौरे के दौरान उद्योग और कौशल विकास के बीच सेतु बनाने पर विचार साझा किए गए। दोनों संस्थानों ने नवाचार, तकनीकी दक्षता और इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स को बढ़ावा देने के लिए सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा की।

टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स के साथ कौशल विकास के भविष्य पर हुआ प्रेरणादायक संवाद

टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सब्यसाची दास अपने विशिष्ट प्रतिनिधि मंडल के साथ SSRGSP के परिसर पधारे।

इस अवसर पर उन्होंने SSRGSP के ज्ञान-समृद्ध पुस्तकालय, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं आधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना का अवलोकन किया। यह दौरा न केवल संस्थान की गुणवत्ता और नवाचार को दर्शाता है, बल्कि भारत में कौशल विकास के उज्ज्वल भविष्य के प्रति दोनों संस्थाओं की साझी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। विचारों का यह आदान-प्रदान, एक-दूसरे से सीखने और मिलकर कार्य करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम सिद्ध हुआ। संस्थान की ओर से अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया गया और उन्हें SSRGSP के प्रयासों, कार्यक्रमों और विज़न से अवगत कराया गया। इस मुलाकात ने भावी सहयोग और रणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं को भी प्रबल किया है।

जीवोदया संस्था का SSR-GSP भोपाल दौरा

सामाजिक समावेशन की ओर एक सार्थक कदम

संस्थान में 'रास्ता' पहल के अंतर्गत जीवोदया संस्था से सिस्टर क्लारा के नेतृत्व में 17 छात्र-छात्राओं एवं संस्था के स्टाफ सदस्यों का आगमन हुआ। इस भेंट ने परिसर को न केवल ऊर्जा, जिज्ञासा और आत्मीयता से भर दिया, बल्कि समावेशी शिक्षा और सामाजिक समरसता की भावना को भी नई ऊंचाई दी। बच्चों की आंखों में उत्साह था, दिलों में जिज्ञासा, और कदमों में भविष्य के सपनों की आहट। छात्रों ने संस्थान की अत्याधुनिक लैब्स, प्रशिक्षण पद्धतियों और तकनीकी कौशल विकास के प्रयासों को नजदीक से देखा व अनुभव किया।

RASTA

इस अवसर पर आपसी संवाद और भावनात्मक जुड़ाव की अनेक स्मरणीय झलकियाँ देखने को मिलीं। इस अवसर पर ज्ञान, भावनाओं और मानवीय जुड़ाव की कई झलकियाँ सामने आईं—कभी किसी मशीन को देखकर विस्मय, तो कभी किसी उत्तर ने आत्म-विश्वास में वृद्धि की। यह दौरा इस बात का प्रमाण बन गया कि जब अवसर, संवेदना और सहयोग एक साथ आते हैं, तो शिक्षा का अनुभव केवल अकादमिक नहीं, बल्कि मानवीय भी बन जाता है।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) के साथ SRF इंडिया लिमिटेड इंदौर का प्रयास भर्ती एवं अपस्किलिंग में सहयोग की नई संभावनाओं तलाशेंगे

इंदौर स्थित SRF इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधि मंडल ने SSRGSP का दौरा किया। इस भ्रमण का उद्देश्य आठ नए प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए संभावित भर्ती एवं कर्मचारियों की अपस्किलिंग में सहयोग की संभावनाओं का अन्वेषण करना था। SRF इंडिया के प्रतिनिधियों ने SSRGSP की आधुनिक प्रयोगशालाओं, इंडस्ट्री-अलाइन पाठ्यक्रमों और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में शुरू किए गए आठ नए पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान देते हुए उनके उद्योग अनुकूल प्रशिक्षण मॉड्यूल पर गहन विचार विमर्श किया साथ ही इंटर्नशिप अथवा भर्ती संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। यह दौरा SSRGSP और SRF इंडिया के बीच उद्योग-शिक्षा सहयोग को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम सिद्ध हुआ। SRF इंडिया लिमिटेड, इंदौर की ओर से दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल में श्री पंकज कौशिक (सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, एचआर एवं एडमिनिस्ट्रेशन), श्री पवन सक्सेना (वाइस प्रेसिडेंट एवं कॉम्प्लेक्स हेड, SEZ), श्री विनीत गोयल (वाइस प्रेसिडेंट एवं कॉम्प्लेक्स हेड, DTA-2), श्री भास्कर शंकर (एवीपी, एचआर), श्री अनुराग सक्सेना (डीजीएम, M&U), श्री पवन यादव (चीफ मैनेजर, E&I) और श्री अपूर्वा सिंह (मैनेजर, BHR & People Capability) शामिल रहे।

एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने SSRGSP का किया दौरा SSRGSP परियोजना प्रगति की सराहना की

हाल ही में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSR-GSP) में एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) के एक प्रतिष्ठित प्रतिनिधिमंडल ने दौरा किया। अपने इस महत्वपूर्ण भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने SSR-GSP के निदेशकों के साथ एक विस्तृत और विचारोत्तेजक संवाद किया, जिसमें परियोजना की प्रगति, नवाचार और क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

ADB प्रतिनिधिमंडल ने SSR-GSP द्वारा अब तक प्राप्त उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए इसे समर्पण, नवाचार और स्थायी प्रभाव का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उनकी सराहना ने SSR-GSP टीम को न केवल एक वैश्विक मान्यता प्रदान की, बल्कि संस्थान की कार्य प्रणाली और गुणवत्ता को लेकर नई ऊर्जा और प्रेरणा भी दी। यह दौरा संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा, जो SSR-GSP की गुणवत्तापूर्ण कौशल शिक्षा और प्रभावशाली परियोजना क्रियान्वयन की दिशा में लगातार हो रहे प्रयासों को दर्शाता है।

कौशल शिक्षा के क्षेत्र में SSR-GSP की सराहना

संस्थान में गुजरात के कौशल्या – द स्किल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद के महानिदेशक प्रो. एस. पी. सिंह और PES यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु के प्रो-वाइस चांसलर श्री नागार्जुना सदिनेनी का भ्रमण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दोनों अतिथियों ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, आधुनिक ऑडिटोरियम एवं विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने SSR-GSP की उत्कृष्ट अधोसंरचना की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता की नई मिसाल स्थापित कर रहा है। संस्थान की प्रतिबद्धता और भविष्य के लिए तैयार करने वाली शिक्षा प्रणाली ने उन्हें गहरी प्रेरणा दी।

SSRGSP में Subros Limited के साथ औद्योगिक सहयोग पर सार्थक संवाद उद्योग की आवश्यकता और छात्र कौशल के बीच मजबूत सेतु निर्माण की दिशा में एक और कदम

संस्थान में Subros Limited, गुरुग्राम से श्री हेमंत कौशिक का आगमन हुआ। यह दौरा उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

बैठक के दौरान भर्ती प्रक्रियाओं, साझेदारी के अवसरों और SSRGSP के प्रशिक्षार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ने के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। श्री कौशिक ने संस्थान की आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं और छात्रों की तकनीकी दक्षता की सराहना की। यह संवाद इस बात को पुष्ट करता है कि SSRGSP उद्योग के साथ सक्रिय साझेदारी के माध्यम से युवाओं को व्यावसायिक रूप से तैयार करने और "Skilled India" की परिकल्पना को साकार करने में सतत प्रयासरत है। संस्थान भविष्य में भी ऐसे सहयोगों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोज़गार-उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करता रहेगा।

SSRGSP में Volvo Eicher Commercial Vehicles की वरिष्ठ टीम का स्वागत – उद्योग और शिक्षा साझेदारी की ओर एक और कदम

संस्थान को Volvo Eicher Commercial Vehicles, पीथमपुर की वरिष्ठ नेतृत्व टीम का स्वागत करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस प्रतिनिधिमंडल में डॉ. पार्थ सारथी बसु (प्रमुख – एचआर, प्रशासन एवं औद्योगिक संबंध) और श्री मोहित

गुप्ता (उपाध्यक्ष, मैन्युफैक्चरिंग) सहित उनकी टीम शामिल रही। दौरे के दौरान प्रतिनिधियों ने SSRGSP के आधुनिक प्रयोगशालाओं, तकनीकी प्रशिक्षण ढांचे और नवाचारी शिक्षण माहौल का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों और प्रशिक्षकों से संवाद करते हुए संस्थान की कार्यप्रणाली और स्किल डिवेलपमेंट के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। यह दौरा SSRGSP और उद्योग जगत के बीच मजबूत सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ, जो कौशल विकास, विनिर्माण उत्कृष्टता और भविष्योन्मुखी शिक्षा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के नए द्वार खोलता है।

संस्थान उद्योग साझेदारियों के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों को न केवल तकनीकी दक्षता प्रदान करने, बल्कि उन्हें आर्थिक और औद्योगिक भविष्य के अनुरूप तैयार करने हेतु निरंतर कार्यरत है।

कौशल संवर्धन की दिशा में एक प्रभावशाली कदम सिरोंज पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों का SSR-GSP भोपाल में प्रेरणादायी शैक्षणिक भ्रमण

संस्थान में सिरोंज पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान अत्याधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना था।

छात्रों ने संस्थान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लासरूम्स और नवीनतम औद्योगिक तकनीकों का अवलोकन किया। यह अनुभव उनके लिए केवल ज्ञान प्राप्ति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनके कौशल को निखारने, नवाचार को अपनाने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा। इस प्रेरक पहल ने छात्रों को भविष्य के नए अवसरों की ओर अग्रसर किया और SSR-GSP के 'Skilling for Life' दृष्टिकोण को एक नई ऊँचाई दी।

त्रिपुरा के तकनीकी शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधिमंडल ने SSR-GSP भोपाल का शैक्षणिक दौरा किया

त्रिपुरा राज्य के तकनीकी शिक्षा से जुड़े प्रमुख अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल संस्थान के शैक्षणिक भ्रमण पर आए। यह अध्ययन दौरा त्रिपुरा के इंडस्ट्री एण्ड कॉमर्स निदेशालय के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य त्रिपुरा के आईटीआई संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार हेतु SSR-GSP में अपनाई जा रही उन्नत प्रशिक्षण विधियों और शिक्षण तकनीकों को समझना था।

प्रतिनिधिमंडल ने SSR-GSP के अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लासरूम्स एवं आधुनिक अधोसंरचना का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षकों व विद्यार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता और प्रासंगिकता की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान SSR-GSP में चल रही उद्योग साझेदारी, प्लेसमेंट प्रक्रिया और कौशल आधारित शिक्षा मॉडल को भी समझा गया।

दौरा के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने SSR-GSP की श्रेष्ठ शिक्षण प्रणालियों को त्रिपुरा के आईटीआई संस्थानों में लागू करने हेतु एक कार्ययोजना तैयार करने का संकल्प लिया।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों का SSR-GSP में प्रेरणादायक दौरा

संस्थान में एक प्रेरक अनुभव उस समय जुड़ गया जब वर्ष 2023 बैच के 9 प्रशिक्षु आई ए एस अधिकारियों ने संस्थान का दौरा किया।

कार्यक्रम की शुरुआत आत्मीय स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद SSR-GSP की दृष्टि, मिशन और नवाचार-प्रधान कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर एक जनरल डिस्कशन सत्र भी आयोजित हुआ, जिसमें अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपने विचार साझा किए और संस्थान की उपलब्धियों के प्रति गहरी रुचि दिखाई। इसके पश्चात अधिकारियों ने संस्थान के अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और सुविधाओं का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने SSR-GSP द्वारा विकसित हो रहे प्रभावशाली परियोजनाओं और अनुसंधान गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। यह दौरा केवल एक शिष्टाचार भेंट न होकर ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर बन गया, जिसने SSR-GSP की नवाचार और साझेदारी पर केंद्रित कार्यशैली को और अधिक मजबूती प्रदान की। SSR-GSP परिवार प्रशिक्षु अधिकारियों के उत्साह, संवाद और जिज्ञासा के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

गौरव और प्रगति का क्षण – SSRGSP में Reliance Industries के लिए विशेष मैकेनिकल टेक्नीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) में Reliance Industries के लिए आयोजित 10 दिवसीय विशेष मैकेनिकल टेक्नीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन संस्थान के लिए गौरव का विषय रहा। इस उद्योग-विशेष कार्यक्रम ने न केवल तकनीकी दक्षता को नया आयाम दिया, बल्कि नेतृत्व और टीम वर्क जैसे व्यवहारिक पहलुओं को भी प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाया।

इस अवसर पर Reliance Industries के बिज़नेस हेड श्री रवि कुमार प्रेकी की उपस्थिति ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उनके अनुभवपूर्ण संवाद और उत्साहवर्धक शब्दों ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता और महत्ता को और भी सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाने के लिए SSRGSP की टीम द्वारा लीडरशिप एवं टीम बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभागियों को सिर्फ कुशल तकनीशियन नहीं, बल्कि जिम्मेदार और प्रभावी प्रोफेशनल के रूप में विकसित करने में योगदान दिया।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) में Reliance Industries के लिए आयोजित 10 दिवसीय विशेष मैकेनिकल टेक्नीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन संस्थान के लिए गौरव का विषय रहा। इस उद्योग-विशेष कार्यक्रम ने न केवल तकनीकी दक्षता को नया आयाम दिया, बल्कि नेतृत्व और टीम वर्क जैसे व्यवहारिक पहलुओं को भी प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाया।

इस अवसर पर Reliance Industries के बिज़नेस हेड श्री रवि कुमार प्रेकी की उपस्थिति ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया। उनके अनुभवपूर्ण संवाद और उत्साहवर्धक शब्दों ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता और महत्ता को और भी सुदृढ़ किया।

नेतृत्व के साथ तकनीकी कौशल भविष्य की जरूरत

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) में फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (FADA) की तकनीकी टीम के लिए 7 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को इंजन मैनेजमेंट, चेसिस टेक्नोलॉजी, ड्राइवट्रेन सिस्टम्स, इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड व्हीकल्स जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ सिस्टम डायग्नोस्टिक्स, ट्रबलशूटिंग और रूट कॉज़ एनालिसिस जैसे व्यावहारिक कौशलों में दक्षता प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान FADA प्रतिभागियों के लिए जीवन कौशलों पर केंद्रित एक विशेष वर्कशॉप भी आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने प्रोफेशनल डेवलपमेंट, टीम बिल्डिंग और लीडरशिप जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सीखा। समापन समारोह में SSRGSP के सीईओ श्री गिरीश शर्मा (IAS) ने प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए निरंतर अपस्किलिंग की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में निदेशक (बाह्य संबंध) श्री नीरज सहाय एवं FADA के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। SSRGSP का यह प्रयास प्रतिभागियों को तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नेतृत्व के लिए भी तैयार करने की दिशा में एक अहम पहल साबित हुआ।

संस्थान में "हेल्थ एंड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

संस्थान में नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (NPTI) द्वारा "हेल्थ एंड इलेक्ट्रिकल सेफ्टी" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। NPTI की महानिदेशक डॉ. तृप्ता ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेड के 45 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को विद्युत सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। सत्रों में यह समझाया गया कि कार्यस्थल पर संभावित विद्युत दुर्घटनाओं से कैसे बचा जा सकता है और एक सुरक्षित कार्य वातावरण कैसे सुनिश्चित किया जाए। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन असिस्टेंट इंजीनियर श्री संदीप शर्मा एवं श्री अविनाश जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समन्वय की भूमिका डिप्टी डायरेक्टर डॉ. महेन्द्र सिंह ने निभाई। इस अवसर पर संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा (IAS) एवं एक्सटर्नल रिलेशंस के निदेशक श्री नीरज सहाय जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। एस.वी. पॉलिटेक्निक एवं शासकीय आईटीआई के प्राचार्यगण एवं फैकल्टी सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण SSR-GSP और NPTI के मध्य हुए एमओयू (MoU) के अंतर्गत आयोजित किया गया पहला सत्र था। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वास्थ्य एवं विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना रहा, ताकि वे भविष्य में कार्यस्थलों पर खुद को और अपने सहकर्मियों को किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जोखिम से सुरक्षित रख सकें। आने वाले समय में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाता रहेगा।

प्लेसमेंट ड्राइव

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSR-GSP) में शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटते हुए छात्रों को वास्तविक औद्योगिक अनुभव प्रदान करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संस्थान द्वारा विभिन उद्योगों के सहयोग से सत्र 2025 के छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किए गए।

ट्राइडेंट ग्रुप कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

दिन की शुरुआत ट्राइडेंट ग्रुप द्वारा आयोजित प्री-प्लेसमेंट टॉक्स से हुई, जिसमें छात्रों को उद्योग जगत से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। इसके पश्चात ग्रुप डिस्कशन राउंड में विद्यार्थियों ने अपनी सोच, संवाद क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल का प्रदर्शन किया।

अंतिम चरण में टेक्निकल एवं एचआर इंटरव्यू लिए गए, जहाँ छात्रों की तकनीकी दक्षता और पेशेवर योग्यता का मूल्यांकन किया गया। यह आयोजन SSR-GSP के लिए प्लेसमेंट सत्र की एक उत्साहजनक शुरुआत है— जो छात्रों के लिए सीखने, आगे बढ़ने और करियर निर्माण के नए अवसरों से भरपूर है।

संस्थान इस उपलब्धि के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है – एक भविष्य-उन्मुख, उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण वातावरण का निर्माण।

Vfuse Metal प्लेसमेंट ड्राइव

इस ड्राइव की शुरुआत एक प्रभावशाली प्री-प्लेसमेंट टॉक्स से हुई, जिसमें छात्रों को कंपनी की कार्यसंस्कृति, दृष्टिकोण और करियर में उपलब्ध संभावनाओं से अवगत कराया गया। इस संवादात्मक सत्र ने छात्रों को संगठन की अपेक्षाओं और अवसरों की स्पष्ट झलक प्रदान की।

इसके पश्चात उम्मीदवारों ने टेक्निकल और एचआर इंटरव्यू में भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपने तकनीकी ज्ञान, समस्या समाधान कौशल और व्यक्तिगत क्षमताओं का प्रभावी प्रदर्शन किया। यह ड्राइव कक्षा में प्राप्त ज्ञान को वास्तविक उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ने का एक सुनहरा अवसर साबित हुई।

SRF Limited प्लेसमेंट ड्राइव

SSR-GSP को उद्योग जगत की प्रमुख कंपनी SRF Limited का भी स्वागत करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस प्लेसमेंट ड्राइव की शुरुआत एप्टीट्यूड टेस्ट से हुई, जिसमें छात्रों की विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमताओं का मूल्यांकन किया गया।

इसके उपरांत कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा एक प्री-प्लेसमेंट टॉक प्रस्तुत की गई, जिसमें SRF की कार्यशैली, मूल्य प्रणाली और करियर ग्रोथ की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। अंत में आयोजित टेक्निकल एवं एचआर इंटरव्यू में छात्रों ने अपने ज्ञान, व्यावसायिकता और संवाद कौशल से प्रभावित किया। इसके कुछ दिन पश्चात एसआरएफ लिमिटेड द्वारा कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया का द्वितीय चरण आयोजित किया गया। यह चरण ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हुआ, जिसमें तकनीकी तथा एचआर इंटरव्यू शामिल थे। इस महत्वपूर्ण अवसर में चयनित छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों से सीधे संवाद स्थापित करने का अवसर मिला, जहाँ उन्होंने अपने तकनीकी कौशल, ज्ञान और पेशेवर क्षमताओं का प्रभावी प्रदर्शन किया।

Liugong India Pvt. Ltd. प्लेसमेंट ड्राइव

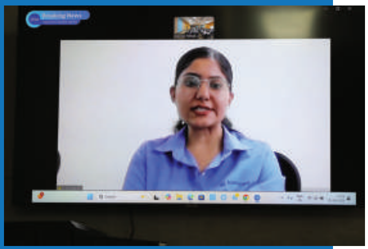

कार्यक्रम की शुरूआत इन्फॉर्मेटिव प्री-प्लेसमेंट सेशन से हुई, जहाँ कंपनी प्रतिनिधियों ने अपने संगठन की कार्यप्रणाली, उद्योग में उनकी भूमिका और उपलब्ध करियर मार्गों के बारे में जानकारी साझा की। इसके पश्चात प्लेसमेंट प्रक्रिया के अंतर्गत तकनीकी एवं एचआर इंटरव्यू राउंड्स आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागी छात्रों ने उत्साह, आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ भाग लिया। यह अनुभव न केवल उनके तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल की परीक्षा थी, बल्कि उनके संप्रेषण एवं समस्या-समाधान कौशल को भी परखने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर था।
यह संपूर्ण प्लेसमेंट ड्राइव छात्रों के लिए एक बहुआयामी अनुभव रही—जहाँ उन्हें औद्योगिक जगत की वास्तविकताओं से रुबरू होने का मौका मिला और साथ ही उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से जुड़ने का एक सक्षम एवं प्रभावी मंच भी प्राप्त हुआ।

Felix Generics Pvt. Ltd. प्लेसमेंट ड्राइव

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (SSRGSP) में Felix Generics Pvt. Ltd., पीथमपुर द्वारा कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्री-प्लेसमेंट टॉक से हुई, जिसमें कंपनी प्रतिनिधियों ने संगठन के विजन, कार्य संस्कृति और करियर विकास के अवसरों की जानकारी दी। चयन प्रक्रिया तीन चरणों में सम्पन्न हुई—लिखित परीक्षा, तकनीकी साक्षात्कार और एच.आर. साक्षात्कार। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उद्योग की वास्तविक अपेक्षाओं से रुबरू होने का अनुभव प्राप्त किया। यह ड्राइव छात्रों के लिए कॉर्पोरेट दुनिया में प्रवेश का एक उत्कृष्ट अवसर सिद्ध हुई।

ETC लिमिटेड प्लेसमेंट ड्राइव

इस प्लेसमेंट ड्राइव की प्रक्रिया में दो चरण शामिल थे – पहला टेक्निकल राउंड, जिसमें छात्रों के ट्रेड नॉलेज और प्रैक्टिकल स्किल्स का मूल्यांकन किया गया, और दूसरा एचआर राउंड, जिसमें प्रतिभागियों की संवाद क्षमता, दृष्टिकोण और संपूर्ण व्यक्तित्व पर ध्यान केंद्रित किया गया।
इस ड्राइव में एडवांस मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल सर्विसेज ट्रेड के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन छात्रों के लिए अपने कौशल को प्रदर्शित करने और अपने व्यावसायिक जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने का सुअवसर बना।
संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रकार की औद्योगिक गतिविधियाँ छात्रों को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं से भी परिचित कराती हैं।

TechFab India प्लेसमेंट ड्राइव

इस प्लेसमेंट ड्राइव प्रक्रिया की शुरुआत एक प्रेरणादायक प्री-प्लेसमेंट टॉक्स से हुई, जिसमें कंपनी के प्रतिनिधियों ने छात्रों को कंपनी की पृष्ठभूमि, कार्य संस्कृति और संभावित करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद एचआर और तकनीकी साक्षात्कार आयोजित किए गए, जिसमें प्रतिभागी छात्रों को अपनी क्षमताएं और व्यावसायिक दक्षताएं प्रस्तुत करने का अवसर मिला। यह अनुभव छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी रहा, जिसमें उन्हें उद्योग जगत के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव का अवसर प्राप्त हुआ।